Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 1

– Save This Page as a PDF–

युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है युहोन्ना ३: २२-३६

खोदाई: बपतिस्मा के बारे में अलग-अलग विचारों को देखते हुए, आपको क्या लगता है कि उस नदी पर क्या हुआ होगा? आपको क्या लगता है कि यदि आप उस समय युहोन्ना के शिष्यों में से एक होते तो आप क्या कहते? बैपटिस्ट ने कैसे प्रतिक्रिया दी? दूल्हे और दुल्हन के बारे में रूपक या कहानी का क्या मतलब है? युहोन्ना की प्रतिक्रिया हमें उसके बारे में क्या बताती है? श्लोक ३१-३६ में यूहन्ना यीशु के बारे में कौन से तथ्य सामने लाता है? जब योचनन कहते हैं कि परमेश्वर का क्रोध उन पर बना हुआ है, तो वह किसके बारे में बात कर रहे हैं?

विचार करें: जब आप अपने आध्यात्मिक उपहारों का उपयोग दूसरों की सेवा करने के लिए करते हैं, तो सुर्खियों में कौन होता है? परमेश्वर या आप? क्या आप अजीब समझे जाने का जोखिम उठाएँगे? युहोन्ना की तरह, क्या आपके मंत्रालय का कोई ऐसा क्षेत्र है जिसके रास्ते से हटकर आपको परमेश्वर को अपना काम करने देना है? यदि पवित्र आत्मा का वास्तव में शाश्वत अर्थ नहीं होता तो क्या वह योचानान को किसी अन्य शब्द का उपयोग करने के लिए प्रेरित कर सकता था? क्या शाश्वत का मतलब शाश्वत है?

युहोन्ना में महानता के वे गुण नहीं थे जिन्हें हम उन लोगों में सबसे अधिक महत्व देते हैं जिनका हम बहुत सम्मान करते हैं। वह अमीर और प्रसिद्ध या घमंडी और शक्तिशाली लोगों के बीच नहीं गया; उसने जंगल का एकांत चुना। वह परिष्कृत नहीं था; वह ऊँट के बाल पहनता था और टिड्डियाँ और जंगली शहद खाता था। वह राजनीतिक सफलता की सीढ़ियाँ नहीं चढ़े; उन्होंने बिना किसी समझौते के सच बोलते हुए लोगों का सामना किया और उन्हें नाराज किया। शब्द के सबसे चरम और सबसे प्रशंसनीय अर्थ में, वह थे। . . अजीब। मसीह, जो महानता को एक अलग पैमाने पर मापते हैं, ने युहोन्ना को अब तक का सबसे महान व्यक्ति कहा है (मत्ती ११:११ व्याख्या)।

योचनान का जन्म राजा के दूत बनने के लिए हुआ था – और उसने अपनी भूमिका त्रुटिहीन ढंग से पूरी की। ऐसे में उन पर तीन मुख्य जिम्मेदारियां थीं. सबसे पहले, संदेशवाहक को रास्ता साफ़ करना था, और मसीहा के बारे में लोगों के मन से बाधाओं को दूर करना था। दूसरा, संदेशवाहक को रास्ता तैयार करना था, और इस्राएल को पश्चाताप के बपतिस्मा के लिए बुलाना था। तीसरा, संदेशवाहक को रास्ते से हट जाना था। . . और इसी ने युहोन्ना को महान बनाया।

Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 2

इसके बाद, यीशु और उसके प्रेरित यहूदिया के ग्रामीण इलाकों में चले गए, जहाँ उसने उनके साथ कुछ समय बिताया और बपतिस्मा दिया। अब युहोन्ना भी सलीम (जिसका अर्थ है शांति) के पास ऐनोन (जलपान का स्थान) में बपतिस्मा दे रहा था, क्योंकि वहाँ बहुत पानी था, और लोग बपतिस्मा लेने आ रहे थे (यूहन्ना ३:२२-२३)। यह बैपटाइज़र को जेल में डालने से पहले की बात है (देखें Fl – युहोन्ना बप्तिस्मा देने बाला का का सिर काट दिया गया)। आम तौर पर, युहोन्ना का लगभग एक वर्ष का मंत्रालय यहूदिया के जंगल और पूरे यहूदिया और जॉर्डन के पूरे क्षेत्र (जो सूखे और मृत्यु की बात करता है) में रहा था। लेकिन चूँकि वह अपने बुलावे के प्रति वफादार था, इसलिए यह उसके लिए ताज़गी और शांति का स्थान बन गया। प्रभु के आज्ञाकारी सेवक का अनुभव ऐसा ही है (मत्ति ३:१ और ५)

यह स्पष्ट है कि लोग यीशु के लिए अग्रदूत छोड़ रहे थे। युहोन्ना के शिष्य चिंतित थे। उन्हें अपने मालिक का किसी से पीछे हटना पसंद नहीं था। जब भीड़ एक नए शिक्षक को सुनने और देखने के लिए उमड़ रही थी, तो उन्हें उसे त्यागा हुआ देखना पसंद नहीं आया। योचनान के कुछ शिष्यों और एक निश्चित यहूदी के बीच औपचारिक धुलाई के मामले पर बहस छिड़ गई। वे बपतिस्मा देने वाले के पास आए और उससे कहा, “रब्बी, वह आदमी जो जॉर्डन के पार तुम्हारे साथ था – जिसके बारे में तुमने गवाही दी थी – देखो, उसका तालिमिडिम बपतिस्मा दे रहा है, और हर कोई उसके पास जा रहा है” (युहोन्ना ३:२४-२६).

युहोन्ना के लिए घायल, उपेक्षित और अनुचित रूप से भुला दिया गया महसूस करना बहुत आसान होता। कभी-कभी किसी मित्र की सहानुभूति हमारे लिए सबसे बुरी चीज़ हो सकती है। यह हमें अपने लिए खेद महसूस करा सकता है और हमें यह विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है कि हमारे साथ गलत व्यवहार किया गया है। लेकिन बैपटिस्ट उस क्षुद्रता से ऊपर था।

युहोन्ना ने अपने शिष्यों को तीन बातें बताईं:

उसने उनसे कहा कि परमेश्वर ने उन्हें जो दिया है, उससे अधिक कोई भी प्राप्त नहीं कर सकता। इस पर युहोन्ना ने उत्तर दिया: एक व्यक्ति केवल वही प्राप्त कर सकता है जो उसे स्वर्ग से दिया गया है (युहोन्ना ३:२७)। यदि नया शिक्षक अधिक शिष्यों को आकर्षित कर रहा था तो इसका कारण यह नहीं था कि वह उन्हें बर्ताबाहक से चुरा रहा था, बल्कि इसलिए कि प्रभु उन्हें उसे दे रहे थे। बपतिस्मा देनेवाले ने क्या किया? क्या उसने तय कर लिया था कि हाशेम ने उसके साथ काम पूरा कर लिया है? क्या वह हतोत्साहित हो गया क्योंकि उसके शिष्य कम हो गए? क्या उसने अपना तंबू समेटा और घर चला गया? नहीं, वह ईमानदारी से दृढ़ रहा: युहोन्ना भी बपतिस्मा दे रहा था (युहोन्ना ३:२३a)! उनकी भीड़ कम थी; उसकी समृद्धि का मौसम ख़त्म हो चुका था; एक उज्जवल व्यक्ति ने उसकी रोशनी ग्रहण कर ली थी; फिर भी, युहोन्ना भी बपतिस्मा दे रहा था! इसलिये आओ, हम भलाई करने से न थकें, क्योंकि यदि हम हार न मानें, तो उचित

Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 3

समय पर कटनी काटेंगे। (गलातियों ६:९)

उसने उन्हें बताया कि वे दूल्हे के दोस्त हैं। दुल्हन (इज़राइल) दूल्हे (मसीहा) की है। वह मित्र जो दूल्हे के साथ उपस्थित होता है (युहोन्ना और तानाख का धर्मी) उसका इंतजार करता है और उसकी बात सुनता है, और जब वह दूल्हे की आवाज सुनता है तो खुशी से भर जाता है (युहोन्ना ३:२९)। तानाख की सबसे महान तस्वीरों में से एक दुल्हन के रूप में इज़राइल और दूल्हे के रूप में एडोनाई की है। उनके रिश्ते की तुलना शादी से की गई थी। जब इस्राएल अजीब देवताओं के पीछे चली गई तो ऐसा लगा मानो वह आध्यात्मिक व्यभिचार कर रही हो (निर्गमन ३४:१५; व्यवस्थाविवरण ३१:१६; यशायाह ५४:५; यिर्मयाह ३:६-९; होशे ३:१-५). नई वाचा ने इस मूल भाव को जारी रखा और चर्च को मसीह की दुल्हन के रूप में बताया (दूसरा कुरिन्थियों ११:२; इफिसियों ५:२२-३२)। बर्ताबाहक के मन में, येशुआ परमेश्वर से आया था और हाशेम का पुत्र था। इस्राएल उसकी वास्तविक दुल्हन थी और वह इस्राएल का दूल्हा था। हालाँकि, योचनान ने कहा कि वह दूल्हे का दोस्त था।

दूल्हे के दोस्त शोशबेन का यहूदी विवाह में एक अनोखा स्थान था। उन्होंने दूल्हा और दुल्हन के बीच संपर्क का काम किया; उसने शादी की व्यवस्था की; उसने निमंत्रण निकाला; उन्होंने विवाह भोज की अध्यक्षता की। लेकिन उनका एक विशेष कर्तव्य था. उसने दुल्हन के कक्ष की सुरक्षा की ताकि कोई झूठा प्रेमी अंदर न आ सके। वह दरवाजा खोलता था और उसे तभी अंदर जाने देता था जब वह दूल्हे की आवाज सुनता था और उसे पहचान लेता था। तब वह इस बात पर आनन्द करता हुआ चला गया कि उसका काम पूरा हो गया और प्रेमी इकट्ठे हो गए। उसने दूल्हे या दुल्हन पर नाराजगी नहीं जताई, लेकिन खुशी-खुशी तस्वीर से बाहर हो गया।

उसने उन्हें बताया कि वह केवल राजा का
संदेशवाहक था। तुम आप ही गवाही दे सकते हो कि मैं ने कहा, मैं मसीहा नहीं, परन्तु उसके आगे भेजा गया हूं। वह आनन्द मेरा है, और अब पूर्ण हो गया है। उसे बड़ा होना चाहिये और मुझे छोटा होना चाहिये (यूहन्ना ३:२८ और ३०)। युहोन्ना का कार्य इज़राइल और यीशु को एक साथ लाना था; दूल्हे मसीह और दुल्हन इस्राएल के बीच विवाह की व्यवस्था करना। वह मिशन पूरा हो चुका था और वह अपना काम पूरा होने के बाद ही सुर्खियों से बाहर निकलने के लिए बहुत खुश था। योचनान की विनम्रता मूसा की विनम्रता से कम वास्तविक नहीं थी, जिसे ईश्वर द्वारा प्रमुखता से उठाया गया था,

Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 4

फिर भी उसने खुद को पृथ्वी पर किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अधिक विनम्र घोषित किया (गिनती १२:३)। हमें यह याद रखना होगा कि ईश्वर के लिए किया गया कोई भी कार्य महान कार्य होता है।

युहोन्ना के सुसमाचार की व्याख्या करने में कठिनाइयों में से एक यह जानना है कि विभिन्न पात्र कब बोल रहे हैं और कब युहोन्ना अपनी टिप्पणी जोड़ रहा है। ये अगले छंद युहोन्ना बप्तिस्मा देनेबाला के शब्द हो सकते हैं; लेकिन अधिक संभावना यह है कि वे युहोन्ना एवंगेलिस्ट के गवाह और टिप्पणियाँ हैं।

युहोन्ना येशुआ की सर्वोच्चता पर जोर देकर शुरुआत करता है। यदि हमें जानकारी चाहिए तो हमें उस व्यक्ति के पास जाना होगा जिसके पास वह जानकारी है। यदि हम परमेश्वर के बारे में जानकारी चाहते हैं, तो वह हमें केवल परमेश्वर के पुत्र से ही मिलेगी; और यदि हम स्वर्ग के बारे में जानकारी चाहते हैं, तो हम केवल उसी से प्राप्त कर सकते हैं जो स्वर्ग से आता है। जो ऊपर से आता है वह सबसे ऊपर है; जो पृय्वी का है, वह पृय्वी ही का है, और पृय्वी ही का होकर बोलता है। जो स्वर्ग से आता है वह सब से ऊपर है (युहोन्ना ३:३१)।

यह विचार कि परमेश्वर द्वारा स्वयं को धारण करने के लिए एक कुंवारी को चुना जाएगा। . . यह धारणा कि ईश्वर एक खोपड़ी और पैर की उंगलियाँ और दो आँखें धारण करेगा। . . यह विचार कि ब्रह्माण्ड के राजा को छींक आएगी, डकार आएगी और मच्छर काट लेंगे। . . यह बहुत अविश्वसनीय है. बहुत क्रांतिकारी. हम ऐसा कोई उद्धारकर्ता कभी नहीं बनाएंगे। हम उतने साहसी नहीं हैं.

जब हम एक मुक्तिदाता का निर्माण करते हैं, तो हम उसे उसके दूर स्थित महल में सुरक्षित रूप से दूर रखते हैं। हम उसे अपने साथ केवल छोटी-सी मुलाकात की ही अनुमति देते हैं। हम उसे बहुत करीब आने से पहले अपनी स्लेज के साथ अंदर और बाहर झपट्टा मारने की अनुमति देते हैं। हम उनसे संक्रमित लोगों के बीच रहने के लिए नहीं कहेंगे।’ हम अपनी बेतहाशा कल्पना में भी ऐसे राजा की कल्पना नहीं कर सकते जो हममें से एक बन जाए। . . परन्तु परमेश्वर ने ऐसा किया।

जब येशुआ एडोनाई और स्वर्गीय चीजों के बारे में बात करता है तो यह कोई परी कथा नहीं है क्योंकि वह वहां रहा है। क्योंकि केवल पुत्र ही पिता को जानता है, वह ही हमें परमेश्वर के बारे में सच्चाई दे सकता है, और ये तथ्य सुसमाचार हैं। जो कुछ उस ने देखा और सुना है, उस की गवाही देता है, परन्तु कोई उसकी गवाही ग्रहण नहीं करता (यूहन्ना ३:३२)। प्राचीन दुनिया में, यदि कोई व्यक्ति किसी दस्तावेज़, जैसे वसीयत, समझौते या संविधान को अपनी पूर्ण स्वीकृति देना चाहता था, तो वह उस पर अपनी मुहर लगा देता था। मुहर इस बात का संकेत थी कि वह इससे सहमत है और इसे बाध्यकारी और सत्य मानता है। इसलिए आज, जब लोग मसीहा के संदेश को स्वीकार करते हैं, तो वे पुष्टि करते हैं और गवाही देते हैं कि उनका मानना है कि परमेश्वर जो

Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 5

कहते हैं वह सच है। और जब तुम ने सत्य का सन्देश, अर्थात् अपने उद्धार का सुसमाचार सुना, तो तुम भी मसीह में सम्मिलित हो गए। जब तुमने विश्वास किया, तो तुम पर उस पर मुहर लगा दी गई, अर्थात प्रतिज्ञा की गई पवित्र आत्मा, जो उन लोगों की मुक्ति तक हमारी विरासत की गारंटी देने वाली एक जमा राशि है जो परमेश्वर की संपत्ति हैं (इफिसियों १:१३b-१४a)।

यीशु जो कहते हैं उस पर हम विश्वास कर सकते हैं, क्योंकि प्रभु ने उस पर असीमित आत्मा उंडेला है। जिसने भी इसे स्वीकार किया है उसने प्रमाणित कर दिया है कि ईश्वर सच्चा है। क्योंकि जिसे परमेश्वर ने भेजा है वह परमेश्वर की बातें बोलता है, क्योंकि वह असीमित आत्मा देता है। यीशु को सुनना प्रभु के शब्दों को सुनना है। हालाँकि गलील के रब्बी के शब्द गहरे थे, वे स्पष्ट हैं। उनके शब्द वजनदार थे, फिर भी वे एक बयान की चमक और सरलता से चमकते थे जिसने उनके दुश्मनों को चौंका दिया था। पिता पुत्र से प्यार करता है और उसने सब कुछ उसके हाथों में सौंप दिया है (यूहन्ना ३:३३-३५)।

अंत में, योचनन द इमर्सर हमारे सामने शाश्वत विकल्प रखता है – जीवन या मृत्यु। सदियों से विकल्प इसराइल के सामने रखा गया था। मूसा ने कहा: देखो, मैं आज तुम्हारे सामने जीवन और समृद्धि, मृत्यु और विनाश रखता हूं। . . मैं आकाश और धरती को कहता हूं मैं ने तुम्हारे साम्हने जीवन और मृत्यु, आशीष और शाप रख दिए हैं। अब तू जीवन को अपना ले, कि तू और तेरे बाल-बच्चे जीवित रहें। (व्यवस्थाविवरण ३०:१५-२०) यहोशू ने चुनौती दोहराई: आज ही चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे (यहोशू २४:१५)। फिर युहोन्ना अपने पसंदीदा विषय पर लौट आता है। सबसे महत्वपूर्ण बात मसीहा के प्रति हमारी प्रतिक्रिया है। जो कोई भी पुत्र में विश्वास करता है उसके पास अनन्त जीवन है (Ms देखें – बिसवासी का शाश्वत सुरक्षा), लेकिन जो कोई पुत्र को अस्वीकार करता है वह जीवन नहीं देखेगा, क्योंकि परमेश्वर का क्रोध उन पर रहता है (युहोन्ना ३:३६)। यदि वह प्रतिक्रिया प्रेम और लालसा है, तो वह व्यक्ति जीवन को जान लेगा। लेकिन प्रतिक्रिया उदासीनता या शत्रुता है, तो उस व्यक्ति को मृत्यु का पता चल जाएगा। यीशु मसीह किसी को नरक में नहीं भेजते – वे इसे चुनते हैं।

एक फ़ुटबॉल खिलाड़ी विजयी गोल करता है और उसके प्रसन्न साथियों ने उसे गले लगा लिया। एक कार्यकारी एक महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदा पूरा करता है और अपने सहकर्मियों की आँखों में प्रशंसा की भावना देखता है। एक किशोर हाई स्कूल से स्नातक हुआ और गर्वित माता-पिता ने उसकी तस्वीर खींची। हमारे समाज में, प्रशंसा आम तौर पर कुछ वैध उपलब्धि हासिल करने के लिए पुरस्कार के रूप में ही मिलती है।

फिर भी अग्रदूत ने खुलासा किया कि मसीह हमें अलग तरह से देखता है। वह बस इस बात पर खुश होता है कि हम कौन हैं, न कि इस बात पर कि हमने क्या हासिल किया है या क्या कमाया है। क्योंकि अब हम अनुग्रह के युग में हैं (इब्रानियों Bp पर मेरी टिप्पणी

Bx – युहोन्ना यीशु के बारे में फिर से गवाही देता है
युहोन्ना ३:२२-३६ | 6

देखें – अनुग्रह का विधान), हम दुल्हन हैं और येशुआ दूल्हा है (प्रकाशितवाक्य २१:१-२)। वह हमें इतनी खुशी से देखता है कि वह हमारे लिए गाता है और खुशी मनाता है (सफन्याह ३:१७)। हम उसके प्रेम के पात्र हैं और वह हमें आशीर्वाद देने में केवल इसलिए प्रसन्न होता है क्योंकि वह हमसे प्रेम करता है (यिर्मयाह ३२:४०-४१)। हमारी “उपलब्धि” उनके प्यार को स्वीकार करने और उनकी वफादार दुल्हन के रूप में रहने का प्रयास करने में निहित है।

जैसे ही युहोन्ना ने हमारे उद्धारकर्ता को अपना मंत्रालय शुरू करते हुए देखा, वह अपने शिष्यों को दूल्हे की ओर निर्देशित करने में प्रसन्न हुआ। उनका आदर्श वाक्य था उसे बड़ा बनना चाहिए और मुझे छोटा बनना चाहिए। हेराल्ड को प्रभु के सेबकाई में भाग लेने में जो खुशी हुई, वह उसे प्राप्त किसी भी अस्थायी प्रशंसा से कहीं अधिक थी। वह दूल्हे की आवाज़ सुनकर बहुत खुश हुआ (यूहन्ना ३:२९-३०)।

योचनान की तरह, हम भी अपने दूल्हे के साथ खुशी मना सकते हैं क्योंकि हम अंतिम शादी की दावत का इंतजार कर रहे हैं (प्रकाशितवाक्य Fg पर मेरी टिप्पणी देखें – मेमने की शादी में आमंत्रित लोग धन्य हैं)। यह खुशी और उत्सव का समय होगा क्योंकि जैसे ही परमेश्वर हमारी आंखों से हर आंसू पोंछेंगे, सभी दर्द, मृत्यु और शोक दूर हो जाएंगे (प्रकाशितवाक्य २१:४)। एडोनाई ने पर्दा हटा दिया और हमें अपनी मातृभूमि को देखने की अनुमति दी। बस यह कल्पना करने का प्रयास करें कि स्वर्गदूत उसकी स्तुति गा रहे हैं क्योंकि वे अपनी दुल्हन के लिए यीशु के उदार प्रेम को देखते हैं। प्रत्येक राष्ट्र, जनजाति, लोगों और भाषा से छुड़ाए गए सभी लोगों के बारे में सोचें जो अंततः प्रेम के अटूट बंधन में परमेश्वर और एक दूसरे के साथ एकजुट हो गए। वह कैसा समय होगा!

इसलिए, जैसे-जैसे हम अपना दिन गुजारते हैं, हमें आश्वस्त रहना चाहिए कि परमेश्वर हमारे लिए खुश होते हैं और गाते हैं। येशुआ हा-मेशियाच दूल्हा है और हमारे साथ अनंत काल बिताने की इच्छा रखता है!

यीशु, मुझे इतना प्यार करने के लिए धन्यवाद कि आप वास्तव में मुझमें प्रसन्न होते हैं, यहां तक कि मेरी कमजोरियों में भी। हे प्रभु, मैं आपकी मनभावन दुल्हन का हिस्सा बनना चाहता हूं। तेरे मार्ग मुझ में बढ़ें, और मेरे मार्ग घटें। जैसे ही मैं आपके करीब आया, मेरी खुशी पूरी करने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आमीन.